केन्द्रीय विद्यालय संगठन,
भोपाल संभाग
मैदा मिल के सामने, भोपाल–462 011
दूरभाषकमांक 2550728(क्ण्ड्)
2551678 (. स.आ.)
2551699 (प्र.अ./ले.प.एवं ले.अ.)
फैक्सः 0755–2553126
ई–मेल:acbhopal@yahoo.com

केन्द्रीय विद्यालय संगठन

KENDRIYA VIDYALAYA SANGATHAN
BHOPAL REGION
Opp. Maida Mills,Bhopal-462011
Phone: 2550728 (DC)
2551678 (ACs)
2551699 (AO/FO)
Fax: 0755-2553126
E.Mail:acbhopal@yahoo.com

F.DO/2016/केविसं/क्षे.का.भो/ दिनांक 01.03.2016

प्रिय प्राचार्यगण,

हम आज इस युग में हैं जहाँ जीवन शैली जनित रोग प्रचलित हो चुके हैं। भीड़ रूपी दड़बे में बंद बच्चे, सिकुड़ते हुए सार्वजनिक खेलने के मैदान प्रतिपल पाठ्यक्रम संबंधी गतिविधियों के पीछे भाग दौड़ ऐसे व्यस्क की ओर ले जा रहे हैं जो खेल का अर्थ ही भूल चुका है या उससे भी बदतर स्थिति यह कि कभी खेल का अर्थ जान ही नहीं पाया। और तब, हमें जीवन के मध्यान्ह में शारीरिक गतिविधियों को नियमित रूप से जीवन में शामिल करने के महत्व का अहसास होता है ।

यह समस्या बहुत पहले प्रारंभ हो जाती है। सामान्यतः हमारे देश में उन विद्यालयों का प्रतिशत बहुत कम है, जहाँ समुचित खेल के मैदान हैं, खेल सामग्री की बात छोड़ दें। उससे भी कम प्रतिशत उन बच्चों का है जो उपलब्ध खेलने के मैदान का अधिकतम उपयोग कर रहे हैं। अभी भी खेल को उचित स्थान मिलना शेष है। यद्यपि हमारे केन्द्रीय विद्यालयों की स्थिति भिन्न है। इनके पास बड़ी मात्रा में खेल के मैदान हैं, पर्याप्त मात्रा में खेल से संबंधित सामग्री, खेल उपकरण, खेल शिक्षक, कोच एवं अन्य सुविधाएं उपलब्ध हैं। खेल का महत्व विशेष रूप से तब बढ़ जाता है, जब खेलकूद दिवस के आयोजन की योजना बनाई जाती है अथवा हमारे विद्यालय अंतर विद्यालयीन, क्षेत्रीय,राष्टीय स्तर की प्रतियोगिताओं में भाग लेते हैं ।

हमारी स्कूल प्रणाली में खेल को उचित स्थान दिलाने के लिए वास्तव में किस प्रकार के ईमानदार एवं सार्थक प्रयास की आवश्यकता है? खेल के मैदान खेल संबंधी उपकरण एवं सामग्री (नेट,बास्केट,हैंडल इत्यादि) के साथ कसे हुए और सुसज्जित हों,विभिन्न खेल के मैदान यथास्थान अंकित हों और खेल का आकर्षक वातावरण तैयार किया जाए। इसका प्रारंभ खेल शिक्षा को विद्यालयीन समय सारणी में शामिल कर ,खेल को मुख्य धारा में लाने से किया जाए। खेल शिक्षक मानवीय मूल्य स्थापित करने वाले व्यवसायी के रूप में, खेल पाठ्यक्रम के बारे में ध्यानपूर्वक विचार करते हुए इस अवधारणा को प्रसारित करें कि बच्चों के लिए खेल अत्यावश्यक है(निश्चित रूप से प्राचार्य एवं शिक्षकों के लिए भी)। खेल का केन्द्र व्यक्तिगत श्रेष्ठता से हटाकर जीवन में एकीकृत करने से जीवन–शैली में वह परिवर्तन आ सकते हैं जो स्वास्थ्य पर सकारात्मक प्रभाव डाल सकते हैं। इसके अतिरिक्त खेल स्वस्थ प्रतिस्पर्धा एवं सहयोगात्मक प्रवृत्ति का निर्माण करने में सहायक हैं, अर्थात् अन्ततः केवल स्वस्थ शरीर नहीं अपितु स्वस्थ मानसिकता का भी निर्माण होता है ।

उपर्युक्त के अनुसार मेरा आपसे अनुरोध है कि इस विषय पर ध्यान दें और खेल का अपेक्षित विकास करना सुनिश्चित करें । इसके अतिरिक्त खेल संबंधी सुविधाएं जैसे खेल का मैदान,खेल सामग्री,उपकरण,खेल शिक्षक एवं कोच की उपस्थिति आदि का भरपूर लाभ उटाया जाए जिससे कि हमारे विद्यालयों से राष्टीय एवं अंतर्राष्टीय प्रतिभाएं प्रकट हो सकें । यदि मेरी तरफ से किसी अतिरिक्त सहयोग की आवश्यकता हो तो उसके लिए मैं तत्पर हूँ चूंकि खेल मेरे दिल के बहुत करीब है।

मेरा आपसे अनुरोध है कि इस अर्द्ध शासकीय पत्र की अपने खेल शिक्षक,कोच एवं अन्य के मध्य चर्चा करें, खेल के विकास के लिए योजना तैयार करें,उसका कार्यान्वियन करें और मुझे सूचित करें। साथ ही यह भी अनुरोध है कि इस विषय में की गई कार्यवाही से मुझे तीन दिनों के अंदर अवगत कराएं।

यह उपायुक्त महोदय के अर्द्धशासकीय पत्र दिनांक 25.02.2016 का हिन्दी रूपांतरण है।

भवदीय,

(डा (श्रीमती) बी.कौर)
सहायक आयुक्त

प्राचार्य
समस्त केन्द्रीय विद्यालय,
भोपाल संभाग

प्रतिलिपिः–समस्त सहायक आयुक्त,के.वि.सं, भोपाल संभाग को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्रवाही हेतु । कृपया उक्त की अनुवीक्षा करे एवं रिपोर्ट करें ।